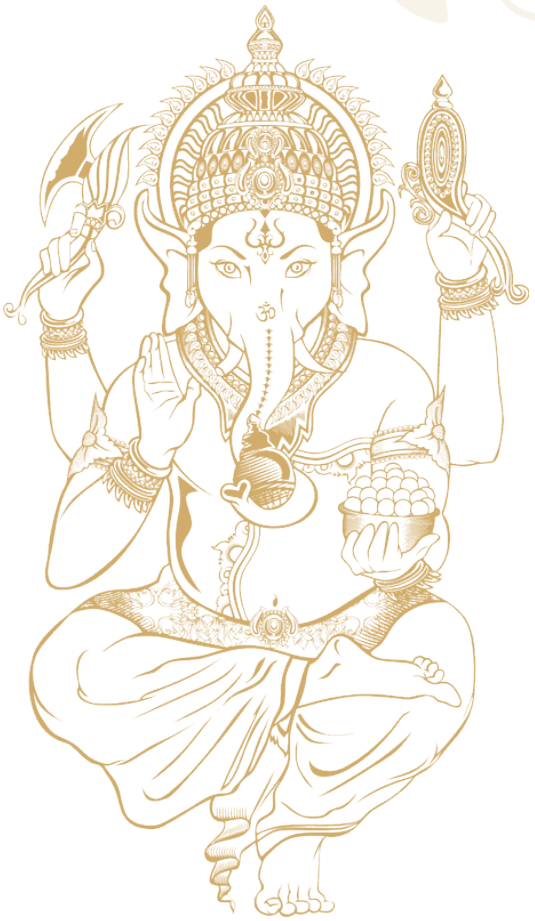

Lokendra

01 Aug 1975

09:05 AM

Anand

Model: web-freekundliweb

Order No: 121388608

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/08/1975**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	07:19:42 घटी
स्थान	**Anand**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	73:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:27:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	05:03:34 घंटे
सूर्योदय	06:09:07 घंटे
सूर्यास्त	19:19:03 घंटे
दिनमान	13:09:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:46:08 कर्क
लग्न के अंश	23:28:34 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:28:34	331:49:08	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कर्क	14:46:08	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	23:38:56	12:25:14	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	27:44:16	00:39:18	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	कर्क	14:30:02	02:05:17	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मेष	00:52:36	00:02:40	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	17:42:56	00:11:05	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
शनि			कर्क	01:06:53	00:07:39	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु			वृश्चि	04:41:21	00:00:24	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	04:41:21	00:00:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			तुला	05:06:33	00:01:18	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		वृश्चि	15:36:44	00:00:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	13:30:24	00:01:24	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			वृष	23:29:59	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:13

लग्न-चलित

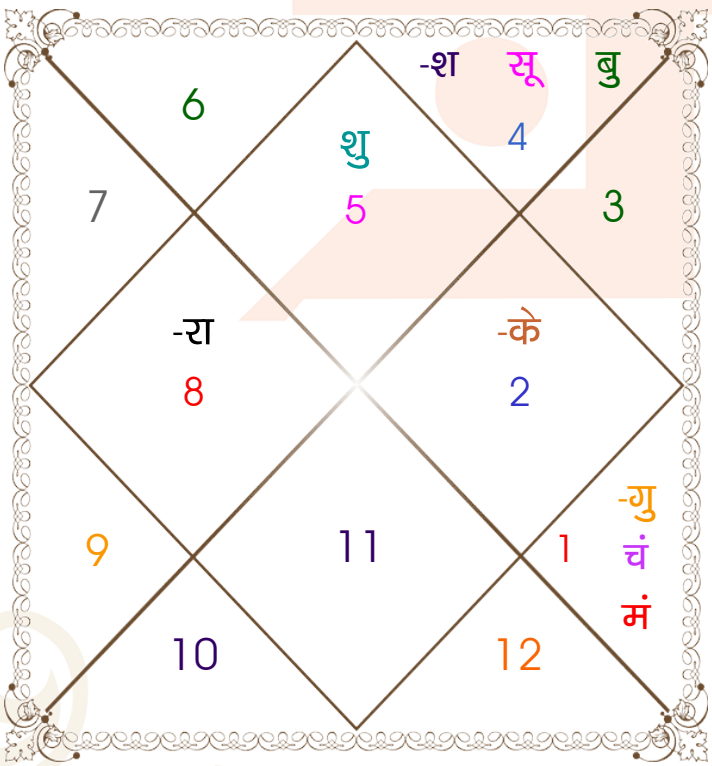

चन्द्र कुंडली

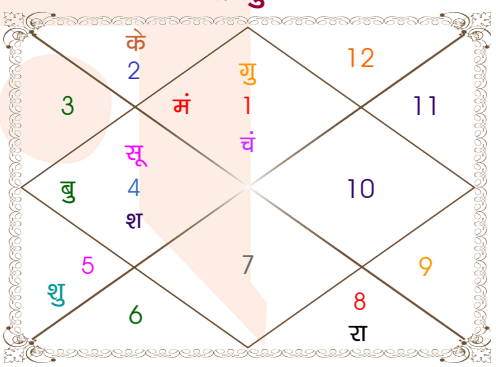

नवमांश कुंडली

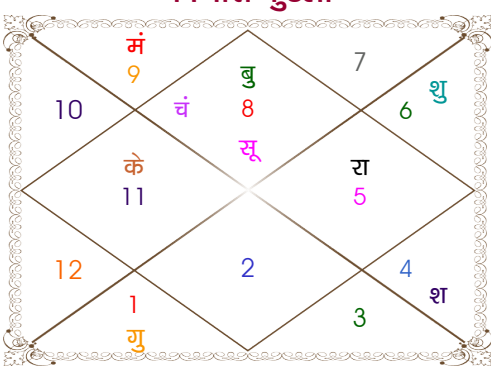

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 6 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/08/1975		09/02/1980		09/02/1986		09/02/1996		09/02/2003	
09/02/1980		09/02/1986		09/02/1996		09/02/2003		09/02/2021	
	00/00/0000	सूर्य	29/05/1980	चंद्र	10/12/1986	मंगल	07/07/1996	राहु	22/10/2005
	00/00/0000	चंद्र	28/11/1980	मंगल	11/07/1987	राहु	26/07/1997	गुरु	17/03/2008
	00/00/0000	मंगल	04/04/1981	राहु	09/01/1989	गुरु	02/07/1998	शनि	22/01/2011
	00/00/0000	राहु	27/02/1982	गुरु	11/05/1990	शनि	11/08/1999	बुध	10/08/2013
	00/00/0000	गुरु	16/12/1982	शनि	10/12/1991	बुध	07/08/2000	केतु	29/08/2014
	01/08/1975	शनि	28/11/1983	बुध	11/05/1993	केतु	03/01/2001	शुक्र	28/08/2017
शनि	09/02/1976	बुध	04/10/1984	केतु	10/12/1993	शुक्र	05/03/2002	सूर्य	23/07/2018
बुध	10/12/1978	केतु	09/02/1985	शुक्र	11/08/1995	सूर्य	11/07/2002	चंद्र	22/01/2020
केतु	09/02/1980	शुक्र	09/02/1986	सूर्य	09/02/1996	चंद्र	09/02/2003	मंगल	09/02/2021

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/02/2021		09/02/2037		09/02/2056		09/02/2073		09/02/2080	
09/02/2037		09/02/2056		09/02/2073		09/02/2080		00/00/0000	
गुरु	30/03/2023	शनि	12/02/2040	बुध	08/07/2058	केतु	08/07/2073	शुक्र	11/06/2083
शनि	10/10/2025	बुध	22/10/2042	केतु	05/07/2059	शुक्र	07/09/2074	सूर्य	10/06/2084
बुध	16/01/2028	केतु	01/12/2043	शुक्र	05/05/2062	सूर्य	13/01/2075	चंद्र	09/02/2086
केतु	22/12/2028	शुक्र	31/01/2047	सूर्य	11/03/2063	चंद्र	14/08/2075	मंगल	11/04/2087
शुक्र	23/08/2031	सूर्य	13/01/2048	चंद्र	10/08/2064	मंगल	10/01/2076	राहु	11/04/2090
सूर्य	10/06/2032	चंद्र	13/08/2049	मंगल	07/08/2065	राहु	27/01/2077	गुरु	10/12/2092
चंद्र	10/10/2033	मंगल	22/09/2050	राहु	25/02/2068	गुरु	03/01/2078	शनि	01/08/2095
मंगल	16/09/2034	राहु	29/07/2053	गुरु	01/06/2070	शनि	12/02/2079		00/00/0000
राहु	09/02/2037	गुरु	09/02/2056	शनि	09/02/2073	बुध	09/02/2080		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।